

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, धर्मशास्त्र, सत्र 16, संप्रेषणीय गुण, भाग 3, ईश्वर दयालु और कृपालु है

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा धर्मशास्त्र या ईश्वर पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 16, संचारी गुण, भाग 3 है। ईश्वर दयालु और कृपालु है।

हम ईश्वर के सिद्धांत का अध्ययन जारी रखते हैं। हम ईश्वर के गुणों का अध्ययन कर रहे हैं, खास तौर पर संचारी गुणों का। हमने कहा है कि ईश्वर व्यक्तिगत, संप्रभु, बुद्धिमान, सत्यनिष्ठ, विश्वासयोग्य, पवित्र, धर्मी और प्रेममय है।

अब परमेश्वर दयालु, कृपालु, भला या उदार है। परमेश्वर दयालु है। दयालु से हमारा मतलब है कि परमेश्वर सभी के प्रति गहरी करुणा रखता है, खास तौर पर अपने लोगों के प्रति, और उन्हें बिना किसी योग्यता के अनुग्रह देता है, और इस प्रकार वह जो पाने के हकदार हैं उसके विपरीत देता है।

वह उन्हें अपना ज्ञान और अनन्त जीवन देता है। परमेश्वर की पहचान में अनुग्रह शामिल है। परमेश्वर के नाम या चरित्र को परिभाषित करने वाला निश्चित पुराना नियम मार्ग, निर्गमन 34:6 कहता है, उद्धरण, प्रभु एक दयालु और अनुग्रहकारी परमेश्वर है, निर्गमन 34 6। परमेश्वर के प्रेम, अनुग्रह और दया को अक्सर जोड़ा जाता है और लगभग समानार्थी रूप से व्यवहार किया जाता है।

यही बात मैंने तब पाई जब मैंने उन जगहों का अध्ययन किया जहाँ सिखाया गया था कि परमेश्वर प्रेम करने वाला, दयालु, दयालु, भला और धैर्यवान है, या सहनशील है। इन चीज़ों की मानक परिभाषाएँ, उदाहरण के लिए, दया का अर्थ है कि परमेश्वर अपना न्याय रोक लेता है। खैर, कुछ बार ऐसा होता है, लेकिन अधिकतर यह केवल एक पर्यायवाची है, और पुराना नियम मुझे पॉल की याद दिलाता है।

मुझे लगता है कि मैं इसे उल्टा समझ गया हूँ। पॉल मुझे पुराने नियम की याद दिलाता है, जहाँ शब्दों को स्पष्ट अंतर के बजाय जोर देने के लिए ढेर किया गया है। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि ये शब्द एक जैसे हैं, लेकिन परमेश्वर के प्रेम, अनुग्रह, दया, भलाई और उदारता के बीच बहुत अधिक समानता है।

इसलिए, इफिसियों 2:4 से 10 में, परमेश्वर प्रेमपूर्ण, अनुग्रहकारी, दयालु और दयालु है। इसी तरह, तीतुस 3:3 से 8 में भी ये शब्द सम्मिलित हैं। मुझे इनमें से एक को पढ़ना चाहिए और इसे यँ ही नहीं बनाना चाहिए।

तीतुस 3:3 से 8 तक, मैं इन पर ज़ोर दूंगा। मैं उन्हें प्रेम की भाषा कहूंगा। इन आयतों में, हम भी एक समय मूर्ख, अज्ञाकारी, भटके हुए, विभिन्न अभिलाषाओं और सुख-विलास के दास थे, जो अपने दिन द्वेष और ईर्ष्या में बिताते थे, दूसरों से घृणा करते थे और एक दूसरे से घृणा करते थे। लेकिन जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की भलाई और प्रेममय कृपा प्रगट हुई, तो उसने हमें बचाया, यह हमारे द्वारा धार्मिकता में किए गए कामों के कारण नहीं, बल्कि उसकी अपनी दया के अनुसार, नए जन्म के स्नान और पवित्र आत्मा के नवीनीकरण के द्वारा हुआ, जिसे उसने हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के द्वारा हम पर अधिकाई से उंडेला, ताकि हम उसके अनुग्रह से धर्मी ठहरकर अनन्त जीवन की आशा के अनुसार वारिस बनें।

भगवान की भलाई, दयालुता, दया, क्या वे एक जैसे हैं? मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि वे एक जैसे हैं, लेकिन वे एक दूसरे से मिलते-जुलते हैं और उनके अर्थ स्पष्ट रूप से अलग होने के बजाय समान हैं। भगवान की छवियाँ जो उनके प्रेम को दयालु होने से संबंधित हैं, अनाथों और विधवाओं के पिता, चैपियन, भजन 68 5 हैं। भगवान अनाथों के पिता और विधवाओं के रक्षक हैं, क्या भगवान अपने पवित्र निवास में विधवाओं के रक्षक या चैपियन हैं। अद्भुत।

पति, होशे 3:1. जैसे होशे विश्वासघाती गोमेर का पति है, वैसे ही प्रभु अपने विश्वासघाती लोगों इस्राएल का पति है। और पिता, होशे 11. मुझे लगता है कि मैंने इसे कभी नहीं पढ़ा है, और मैं इसका संदर्भ देता रहता हूँ।

तो, होशे 11. जब इस्राएल बच्चा था, तो मैंने उससे प्यार किया, और मिस्र से बाहर, मैंने अपने बेटे को बुलाया। यह पलायन के बारे में बात कर रहा है।

जितना अधिक वे बुलाए गए, उतना ही वे दूर चले गए। वे बाल देवताओं के लिए बलि चढ़ाते रहे और मूर्तियों को बलि चढ़ाते रहे। फिर भी, यह मैं ही था जिसने एप्रैम को चलना सिखाया।

मैंने उन्हें अपनी बाहों में उठा लिया, लेकिन वे नहीं जानते थे कि मैंने उन्हें ठीक कर दिया है। एक माता-पिता द्वारा अपने छोटे बच्चे को उसकी बाँहों में पकड़कर चलना सिखाना कितना सुंदर चित्र है। मैंने उन्हें दया की डोरियों और प्रेम के बंधनों से आगे बढ़ाया और मैं उनके लिए ऐसा बन गया जैसे उनके जबड़े पर से जूआ हल्का करने वाला।

और मैं उनके पास झुका और उन्हें खाना खिलाया। अनुग्रह शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है, लेकिन माता-पिता और बच्चे की इस सुंदर भाषा में अवधारणा स्पष्ट रूप से मौजूद है। ईश्वर का अनुग्रह चमकता है जब एज्रा आनन्दित होता है कि ईश्वर का अनुग्रह यहूदियों के लिए एक अवशेष को सुरक्षित रखता है, निहित है।

एज्रा 9:8. एज्रा आभारी है कि परमेश्वर ने फारसी राजाओं की उपस्थिति में उन पर अनुग्रह किया है, उन्हें नया जीवन दिया है ताकि वे हमारे परमेश्वर के भवन का पुनर्निर्माण कर सकें और उसके खंडहरों की मरम्मत कर सकें। एज्रा 9:9. भजनकार भी अनुग्रह के परमेश्वर में प्रसन्न होता है। भजन 84:10 और 11.

तेरे आंगनों में एक दिन बिताना कहीं और के हज़ार दिन बिताने से बेहतर है। क्योंकि, प्रभु अनुग्रह और सम्मान देता है। भजन 84:10 और 11.

अनुग्रह त्रिएकत्व की विशेषता है। पिता सभी अनुग्रह का परमेश्वर है। पहला पतरस 5:10. पुत्र अनुग्रह और सच्चाई से भरा हुआ है।

यूहन्ना 1:14. और आत्मा अनुग्रह की आत्मा है। इब्रानियों 10:29. पिता सभी अनुग्रह का परमेश्वर है। 1 पतरस 5:10. पुत्र, अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण।

यूहन्ना 1:14. आत्मा है, उसका नाम संशोधित है। उसे अनुग्रह की आत्मा कहा जाता है। इब्रानियों 10:29. बाइबल यीशु और अनुग्रह को जोड़ती है, और हमें आश्चर्य नहीं होता।

उद्धरण, भगवान की कृपा उस पर एक लड़के के रूप में थी। लूका 2:40। एक आदमी बनने में उसकी विनम्रता अनुग्रह दिखाती है। 2 कुरिन्थियों 8:9। पहले उदाहरण में, एक लड़के के रूप में, यह शायद भगवान की कृपा को दर्शाता है, निश्चित रूप से अनुग्रह को बचाने वाला नहीं।

यीशु को बचाने वाले अनुग्रह की आवश्यकता नहीं थी। लेकिन मनुष्य बनकर, वह अनुग्रह का एक उदाहरण है। 2 कुरिन्थियों 8:9. यरूशलेम में गरीब संतों को देने की अपनी इच्छा को पूरा करने के लिए कुरिन्थियों को अनुग्रह की आवश्यकता थी।

और यीशु परमेश्वर की कृपा से प्रायश्चित्त करता है। इब्रानियों 2:9। पतरस सिखाता है कि यहूदी और अन्यजाति, उद्धरण, प्रभु यीशु की कृपा से बचाए जाते हैं। प्रेरितों के काम 15:14। वास्तव में, प्रेरितों ने स्वीकार किया कि उन सभी ने, उद्धरण, उसकी, यीशु, परिपूर्णता से अनुग्रह पर अनुग्रह प्राप्त किया।

यूहन्ना 1:16. इसके अलावा, अपने पत्रों की शुरुआत और अंत में, पॉल अक्सर प्रार्थना करता है कि पिता और पुत्र पाठकों को अनुग्रह प्रदान करें। आइए हम रोमियों को ही लें। रोमियों 1:7. रोम में रहने वाले उन सभी लोगों को जो परमेश्वर के प्रिय हैं और जिन्हें पवित्र होने के लिए बुलाया गया है, हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शांति मिलती रहे।

रोमियों 16:20. पत्र के लगभग अंत में, शांति का परमेश्वर जल्द ही शैतान को आपके पैरों तले कुचल देगा। हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह आपके साथ रहे। यह वही है।

हम नहीं बदलेंगे, लेकिन 1 कुरिन्थियों के लिए भी यही बात लागू होती है। 1 कुरिन्थियों 1:3. 1 कुरिन्थियों 16:23. पॉल अक्सर प्रार्थना करता है कि पिता और पुत्र पाठकों को अनुग्रह प्रदान करें। हम बस, हम ईसाई पाठकों के लिए प्रार्थना करने के मामले में परमेश्वर के अनुग्रह के बीच अंतर करते हैं।

मुझे नहीं लगता कि यह आरंभिक बचाव अनुग्रह है, बल्कि इसे हम सक्षम करने वाला अनुग्रह या ईसाई जीवन जीने के लिए परमेश्वर का शक्तिशाली प्रेम कहते हैं। परमेश्वर अविश्वासियों के प्रति

दयालु है। नए नियम में उसके अनुग्रह का प्रदर्शन पुराने नियम में दिखाए गए अनुग्रह से भी अधिक है, जैसा कि भविष्यद्वक्ताओं ने भविष्यवाणी की है।

1 पतरस 1:10-11. इस उद्धार के बारे में, पतरस लिखता है, भविष्यद्वक्ताओं ने जो उस अनुग्रह के बारे में भविष्यवाणी की थी जो तुम्हें मिलने वाला था, उन्होंने ध्यान से खोजबीन की और पूछताछ की, कि उनमें मसीह की आत्मा किस व्यक्ति या समय की ओर संकेत कर रही थी जब उसने मसीह के दुखों और उसके बाद की महिमाओं की भविष्यवाणी की थी। पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने उस अनुग्रह की भविष्यवाणी की थी जो मसीहा के आने पर विश्वासियों को मिलेगा। उद्धार केवल इस्राएल के लिए ही नहीं बल्कि दुनिया के लिए भी है।

तीतुस 2:11. क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह प्रकट हुआ है, जो सभी लोगों को उद्धार प्रदान करता है। वे स्वतः ही उद्धार नहीं पाते, बल्कि उद्धार करना परमेश्वर की इच्छा है, और वह चाहता है कि सुसमाचार सभी को सुनाया जाए। यीशु में उद्धार का संदेश अनुग्रह से इतना जुड़ा हुआ है कि इसे प्रेरितों के काम 20:24, परमेश्वर के अनुग्रह का सुसमाचार कहा जाता है, पौलुस इसे कहते हैं।

परमेश्वर के अनुग्रह का सुसमाचार। सुसमाचार बहुत अनुग्रह-केंद्रित है। प्रेरितों के काम 20:24। और इसे उसके अनुग्रह का संदेश भी कहा जाता है।

प्रेरितों के काम 14:3. उसके अनुग्रह का वचन। प्रेरितों के काम 20.23. क्षमा करें, 20.32. परमेश्वर के अनुग्रह का सुसमाचार। प्रेरितों के काम 20:24. उसके अनुग्रह का संदेश।

14:3. उसके अनुग्रह का वचन। प्रेरितों के काम 20:32. अनुग्रह असंभव लोगों तक पहुँचता है, जिसमें पौलुस भी शामिल है, जो आरंभिक कलीसिया का मुख्य शत्रु था। 1 तीमुथियुस 1:13 और 14.

मुझे दया मिली क्योंकि मैंने अविश्वास में अज्ञानतापूर्वक काम किया था, और हमारे प्रभु का अनुग्रह मुझ पर मसीह यीशु में विश्वास और प्रेम के साथ उमड़ पड़ा। परमेश्वर हमें अपना अनुग्रह देकर बचाता है। मसीह यीशु में, मैं उद्धृत कर रहा हूँ, समय शुरू होने से पहले।

2 तीमुथियुस 1:9. पतरस, एक यहूदी विश्वासी, सीखता है कि अन्यजातियों को भी यहूदियों की तरह ही बचाया जाता है। प्रेरितों के काम 15:11. “विश्वास के द्वारा अनुग्रह से।” इफिसियों 2:8. परमेश्वर का अनुग्रह उद्धार उत्पन्न करता है, जिसे कई दृष्टिकोणों से देखा जाता है, जिसमें हमारा नया जन्म भी शामिल है।

इफिसियों 2:4 और 5. हमारा बुलावा. गलातियों 1:15, 16. औचित्य. रोमियों 3:24. और क्षमा.

इफिसियों 1:7. इन सभी जगहों पर अनुग्रह शब्द का इस्तेमाल किया गया है। नया जन्म। इफिसियों 2:4 और 5. बुलावा।

गलातियों 1:15-16. औचित्य. रोमियों 3:24. क्षमा. इफिसियों 1:7. परमेश्वर का अनुग्रह मसीही जीवन को संचालित करता है।

हम न केवल एक बार और हमेशा के लिए अनुग्रह से बचाए जाते हैं, बल्कि हम विश्वास के माध्यम से अनुग्रह से जीते हैं। हमें दया और अनुग्रह प्राप्त करने के लिए साहस के साथ अनुग्रह के सिंहासन के पास जाना चाहिए। इब्रानियों 4:16। हमें ईसाई जीवन जीने के लिए अनुग्रह की आवश्यकता है।

लेकिन हम विनम्रता से आते हैं, उद्धरण, परमेश्वर अभिमानियों का विरोध करता है, लेकिन नम्र लोगों को अनुग्रह देता है। याकूब 4:6. 1 पतरस 5:5. अनुग्रह परमेश्वर का अप्रतिम प्रेम और उसकी शक्ति है। 2 तीमुथियुस 2:1. और इसे सक्षम करने वाला अनुग्रह कहा जाता है।

इसलिए, धर्मशास्त्री, कुछ हद तक कृत्रिम रूप से, आरंभिक बचाव अनुग्रह और सक्षम अनुग्रह में अंतर करते हैं। और फिर भी वे अलग-अलग हैं। एक ईश्वर के प्रेम पर जोर देता है, और दूसरा उसकी शक्ति पर।

पहला बिना शक्ति के नहीं है, और दूसरा बिना प्रेम के नहीं है। लेकिन एक अलग बात पर जोर दिया गया है। जब हम उसके क्रोध के पात्र होते हैं, तो उसका प्रेम ही बचाव का अनुग्रह होता है।

सक्षम करने वाला अनुग्रह सिर्फ बचाने वाला अनुग्रह नहीं है। यह वह अनुग्रह है जो परमेश्वर के लोगों को उसके लिए जीने में सक्षम बनाता है। इसलिए, पौलुस कह सकता है कि परमेश्वर का अनुग्रह उसे वह बनाता है जो वह है, बचाने वाला अनुग्रह, और उसके ज़रिए प्रभावी होता है, सक्षम करने वाला अनुग्रह।

इसके द्वारा, वह अन्य प्रेरितों की तुलना में अधिक परिश्रम करता है। 1 कुरिन्थियों 15:10. मैंने उन सभी से अधिक परिश्रम किया। ओह, फिर भी मैं नहीं, बल्कि परमेश्वर का अनुग्रह जो मेरे साथ था, वह कहता है।

और वह एक कठिन सबक सीखता है। 2 कुरिन्थियों 12:9. परमेश्वर का अनुग्रह मेरे लिए पर्याप्त है, क्योंकि उसकी सामर्थ्य निर्बलता में सिद्ध होती है। 2 कुरिन्थियों 12:9. परमेश्वर का अनुग्रह सक्रिय और फलदायी है।

जैसे आदम के पाप के कारण मानव जाति मर गई, वैसे ही मसीह के अनुग्रह से बहुतों पर अनुग्रह उमड़ पड़ा। गलातियों 5:15. गलातियों 5:20 में। जब पाप बढ़ता गया, तो अनुग्रह और भी अधिक बढ़ता गया। परमेश्वर का अनुग्रह पाप पर विजय पाता है, और परिणामस्वरूप, हम भी जीतते हैं।

रोमियों 5:21. अनुग्रह पवित्रता उत्पन्न करता है, क्योंकि मसीह की मृत्यु के साथ हमारा मिलन हमारे ऊपर पाप के प्रभाव को तोड़ता है, और उसके पुनरुत्थान के साथ हमारा मिलन जीवन का एक नया तरीका उत्पन्न करता है। रोमियों 6:1-4. प्यूरिटन ने कहा कि हमें पूरा मसीह मिलता है। इसका अर्थ औचित्य के लिए पर्याप्त है और प्रगतिशील पवित्रता के लिए पर्याप्त है।

पवित्र आत्मा अनुग्रह में हमें आध्यात्मिक उपहार प्रदान करता है। रोमियों 12:6। और हमें उनका उपयोग दूसरों की सेवा करने के लिए करना चाहिए, उद्धरण, परमेश्वर के विविध अनुग्रह के अच्छे प्रबंधक के रूप में। 1 पतरस 4:10। मुझे वह अंश बहुत पसंद है।

ईश्वर की कृपा को कई रूपों में देखा जाता है। यह न केवल बचाता है, बल्कि सुसज्जित भी करता है। और हमारे पास जो आध्यात्मिक उपहार हैं, वे ईश्वर की सक्रिय कृपा के ही रूप हैं।

संदर्भ में, देने का उपहार, जिसे ईसाइयों को बिना किसी शिकायत के करना चाहिए, और परमेश्वर के वचन को इस तरह बोलने का उपहार मानो वह परमेश्वर की वाणी हो, जो कि वास्तव में है। मुझे कुछ हद तक निराशा हुई कि नए अनुवादों में शब्द वाणी को हटा दिया गया; ESV ने इसे वापस डाल दिया। यह क्या कह रहा है? प्रचारकों को परमेश्वर के वचन का प्रचार करना चाहिए क्योंकि यह वास्तव में परमेश्वर की वाणी है।

इसका अर्थ यह है कि मानो वे जीवित परमेश्वर के वचनों को ही संभाल रहे थे, जो हम स्वयं हैं। परमेश्वर का अनुग्रह विश्वासियों के जीवन में प्रतिबिम्बित होता है। तीतुस 2:11-15। जिसमें दूसरों की उन्नति करने वाले अनुग्रहपूर्ण शब्दों का प्रयोग करना शामिल है, इफिसियों 4:29-32। तुम्हारे मुँह से कोई गंदी बात न निकले, पर अवसर के अनुसार उन्नति के लिए अच्छी बात निकले, ताकि सुननेवालों पर अनुग्रह हो।

और परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिस से तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है। इफिसियों 4:31 सब प्रकार की कड़वाहट और प्रकोप और क्रोध और कलह और निन्दा सब बैरभाव समेत तुम से दूर की जाए। एक दूसरे पर कृपाल और करूणामय हो, और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो।

यदि स्वर्णिम नियम दूसरों के प्रति वैसा ही था जैसा आप चाहते हैं कि वे आपके प्रति करें, तो इफिसियों 4:32 को कभी-कभी प्लैटिनम नियम कहा जाता है। मसीह के समान एक दूसरे को क्षमा करें, मसीह में परमेश्वर ने आपको क्षमा किया है। परमेश्वर का अनुग्रह अतीत, वर्तमान और भविष्य से संबंधित है, हालाँकि हम अक्सर इसे केवल अतीत तक ही सीमित रखते हैं।

इफिसियों 2:8. तुम विश्वास के द्वारा अनुग्रह से बचाए गए हो, और यह उद्धार तुम्हारा अपना नहीं, बल्कि परमेश्वर का दान है, न कि कर्मों का परिणाम, जिसका कोई घमण्ड न करे। परमेश्वर का अनुग्रह अतीत से संबंधित है, यह वर्तमान से संबंधित है, जैसा कि हमने पहले उद्धृत किया है, इब्रानियों 4:16। तब से, हमारे पास एक महान महायाजक है जो स्वर्ग से होकर गुजरा है, ऐसा कुछ जो पुराने नियम के किसी महायाजक ने कभी नहीं किया। यीशु, परमेश्वर का पुत्र, मुझे यह बहुत पसंद है।

यीशु उसका मानवीय नाम है। परमेश्वर का पुत्र इब्रानियों में एक दिव्य उपाधि है। दूसरे शब्दों में, मानव दिव्य मसीह।

तब से, हमारे पास एक महान महायाजक है जो स्वर्ग से होकर गया है, यीशु, परमेश्वर का पुत्र, आइए हम अपने अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहें। क्योंकि हमारे पास ऐसा महायाजक नहीं है जो हमारी कमज़ोरियों के साथ सहानुभूति न रख सके। इसका अर्थ यह है कि हमारे पास एक महायाजक है जो हमारी कमज़ोरियों के साथ सहानुभूति रखता है, लेकिन वह हर तरह से हमारी तरह परीक्षा में आया है, इस प्रमुख योग्यता के साथ, फिर भी पाप रहित।

यहाँ वर्तमान अनुग्रह श्लोक आता है। तो आइए हम विश्वास के साथ अनुग्रह के सिंहासन के निकट जाएँ ताकि हमें दया मिले और ज़रूरत के समय मदद के लिए अनुग्रह मिले। अनुग्रह बीत चुका है।

हम परमेश्वर के लिए जीने के लिए अनुग्रह के सिंहासन से अभी अनुग्रह प्राप्त करते हैं। और हाँ, अनुग्रह भविष्य है।

मैं इस आयत को नहीं जानता, लेकिन मैं इस आयत को जानता हूँ। 1 पतरस 1, आयत 13, इसलिए अपने मन को काम के लिए तैयार करो और शांत मन से उस अनुग्रह पर पूरी तरह से आशा रखो जो यीशु मसीह के प्रकट होने पर तुम्हें मिलेगा। हमने अभी तक कुछ भी नहीं देखा है।

हमारे पास अतीत में अनुग्रह है जो हमें परमेश्वर के साथ सही बनाता है। परमेश्वर हमें सक्षम अनुग्रह देता है ताकि हम उसके लिए जी सकें। परमेश्वर के अनुग्रह का ऐसा ही प्रवाह रहस्योद्घाटन, मसीह की वापसी पर प्रतीक्षा कर रहा है।

हम इसे समझ भी नहीं सकते। मैंने कई बार विश्वासियों को दूसरे आगमन के बारे में अपने डर को ईमानदारी से व्यक्त करते हुए सुना है। यह मुझे चिंतित करता है, लेकिन मैं समझता हूँ।

प्रथम यूहन्ना ने कहा कि उसके आने पर मुझे उससे शर्मिंदा नहीं होना चाहिए। क्या मुझे शर्मिंदा होना पड़ेगा? क्या मुझे उसे फिर से देखने पर कुछ पापों को स्वीकार करना पड़ेगा? मैं एक मानवीय तुलना का उपयोग करता हूँ। अपने से बड़े उस इंसान के बारे में सोचें जो आपको किसी और से ज़्यादा प्यार करता है।

ठीक है, यह रिश्ता है। वे बड़े हैं। आप उनका बहुत सम्मान करते हैं।

आप उनके प्यार और स्वीकृति से अभिभूत हैं। अगर आपको पता चले कि आपने उनके साथ गलत किया है, तो आप क्या करेंगे? क्या आप उनसे दूर भागेंगे? नहीं, आप ऐसा नहीं करेंगे। आप तुरंत फोन करना चाहेंगे, उन्हें ईमेल भेजना चाहेंगे, किसी तरह से संदेश भेजना चाहेंगे, उनसे संवाद करना चाहेंगे।

क्यों? आप जानते हैं कि वे आपसे बहुत प्यार करते हैं। आपका रिश्ता मज़बूत है। आप इसे सही बनाना चाहते हैं।

खैर, हम प्रभु यीशु मसीह की कृपा की कल्पना नहीं कर सकते, और अगर यह सच होता कि हमें कुछ बातों को कबूल करने की ज़रूरत होती, तो हम उस इंसान की तुलना में उसके पास ज़्यादा भागते, हमारे वरिष्ठ इंसान की ओर जो हमसे सबसे ज़्यादा प्यार करता है। कृपा भूत, वर्तमान और भविष्य है। दूसरे शब्दों में, यह सब कुछ है।

हम अनुग्रह से घिरे हुए हैं। हम अनुग्रह से एक अच्छे अर्थ में घिरे हुए हैं। मसीह का लक्ष्य है कि कलीसिया ऐसी हो कि आने वाले युगों में, पिता का लक्ष्य है कि वह मसीह यीशु में हमारे प्रति अपनी दया के माध्यम से अपने अनुग्रह के अथाह धन को प्रदर्शित कर सके।

इफिसियों 2:7. प्रभु, अपने प्रेरित पतरस के माध्यम से, हमसे आग्रह करते हैं कि हम “पूरी आशा उस अनुग्रह पर रखें जो यीशु मसीह के प्रकट होने पर मिलेगा।” 1 तीमुथियुस 1:13. यहाँ फिर से भविष्य के अनुग्रह का विचार है।

हमारा परमेश्वर दयालु है। दयालु होने से हमारा मतलब है कि परमेश्वर हमारे दुख को देखता है और उसे दूर करने के लिए आगे बढ़ता है। मुझे लगा कि यही वह अर्थ है जो हमें न्याय न देने के बजाय अधिक सामान्य है।

यह बाइबल में है, और कभी-कभी दया इसे व्यक्त करती है, लेकिन अधिक सामान्यतः, इसका अर्थ है कि परमेश्वर हमारे कष्ट को देखता है और वह इससे द्रवित होता है, और वह हमारे कष्ट को दूर करने के लिए आगे बढ़ता है। परमेश्वर के प्रेम, अनुग्रह, दया, भलाई और धैर्य के गुण एक दूसरे से मिलते-जुलते हैं। दया परमेश्वर के प्रेम और भलाई की अभिव्यक्ति है।

परमेश्वर दया दिखाता है जब वह मिस्र के बंधन में अपने लोगों की दुर्दशा देखता है। निर्गमन 3:7, वह उन्हें अपने सेवक मूसा के माध्यम से बचाता है और उन्हें वादा किए गए देश में ले जाता है।

भगवान की दया से संबंधित एक छवि पति है। आप कहते हैं, एक मिनट रुकिए, पति ने भगवान के गुणों के साथ दोहरा और तिहरा कर्तव्य किया है। आमीन और आमीन।

होशे 2:14 से 23. होशे 11:9 से 11. होशे से पर्याप्त नहीं पढ़ा है।

होशे 2:14 और उसके बाद। इसलिए, देखो, मैं उसे लुभाने के लिए जंगल में ले जाऊंगा और उससे कोमलता से बात करूंगा। वहाँ, मैं उसे उसकी दाख की बारियां दूंगा और आकोर की घाटी को आशा का द्वार बनाऊंगा।

और वहाँ वह अपनी जवानी के दिनों के समान उत्तर देगी, जैसे उस समय देती थी जब वह मिस्र देश से निकली थी। और उस दिन यहोवा की यह वाणी है, तू मुझे मेरा पति कहेगी, और फिर कभी मुझे मेरी गठरी न कहेगी। क्योंकि मैं उसके मुँह से गठरियों के नाम हटा दूँगा, और वे फिर कभी नाम से स्मरण न की जाएँगी।

और उस दिन मैं उनके लिये मैदान के पशुओं, आकाश के पक्षियों, और भूमि पर रेंगनेवाले जन्तुओं के साथ वाचा बाँधूँगा। तब मैं देश से धनुष, तलवार और युद्ध को मिटा दूँगा। और मैं ऐसा करूँगा कि तुम निडर होकर सो सको।

और मैं सदाकाल के लिये तुझे अपने साथ ब्याह लूँगा। मैं धर्म और अन्याय में, और करूणा और दया में तुझे अपने साथ ब्याह लूँगा। मैं सच्चाई में तुझे अपने साथ ब्याह लूँगा।

और तुम यहोवा को जानोगे। मैं किसी पर दया नहीं करूँगा, नीचे कूद जाऊँगा। मैं अपने लोगों से नहीं कहूँगा, तुम मेरे लोग हो।

और वह कहेगा, तू मेरा परमेश्वर है। परमेश्वर दयालु है। कभी-कभी परमेश्वर दया तो दिखाता है, परन्तु उचित न्याय न करके।

यह आंशिक रूप से सच है। जहाँ तक दया का अर्थ है, भगवान निश्चित रूप से ऐसा करते हैं। और कभी-कभी इसका अर्थ दया होता है, बस हर समय या आमतौर पर नहीं।

भजन 103.10, परमेश्वर ने हमारे पापों के अनुसार हमारे साथ व्यवहार नहीं किया है या हमारे अधर्म के अनुसार हमें बदला नहीं दिया है। तकनीकी रूप से, दया शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है, लेकिन विचार निश्चित रूप से वहाँ है। यह एक बाइबिल विचार है।

कभी-कभी दया केवल पश्चाताप पर ही दी जाती है। व्यवस्थाविवरण 13:17। अन्य समयों में, परमेश्वर की दया पश्चाताप का कारण होती है। योएल 2:13. जब मरियम को पता चला कि वह मसीहा को जन्म देगी, तो वह परमेश्वर के बारे में गाती है, परमेश्वर, उद्धारण, उसकी दया पीढ़ी-दर-पीढ़ी उन लोगों पर है जो उससे डरते हैं।

लूका 1:50. पुराने नियम में स्पष्ट परमेश्वर की दया, नए नियम में भी भरपूर है। यह यीशु के लिए विशेष रूप से सत्य है, जो भीड़ के लिए करुणा रखता है, उद्धारण, क्योंकि वे बिना चरवाहे की भेड़ों की तरह व्यथित और निराश थे। मत्ती 9:36. यीशु पीड़ितों पर अत्यधिक दया दिखाता है।

विवश होकर वे उसे दाऊद का पुत्र, मसीहा कहकर पुकारते हैं। और बार-बार दया करके वह अंधों को चंगा करता है। मत्ती 9:27-29। लूका 18:35-43। और दुष्टात्माओं को निकालता है।

मत्ती 15 :22-28. मत्ती 17:15-18. मरकुस 5:1-20. अंधे को चंगा करता है। मत्ती 9:27-29. लूका 18:35-43. दुष्टात्माओं को निकालता है। मत्ती 15:22-28. 17:15-18. मरकुस 5:1-20. सर्वोच्च रूप से, परमेश्वर की दया उद्धार लाती है।

जैसा कि मूसा ने कहा, परमेश्वर इसे मुफ्त में देता है। निर्गमन 33:19. रोमियों 9 में उद्धृत। रोमियों 9. मैं जिस पर दया करना चाहूँगा, उस पर दया करूँगा, और जिस पर दया करना चाहूँगा, उस पर दया करूँगा। पॉल ने बाद में मूसा का हवाला देते हुए दिखाया कि उद्धार, उद्धारण, मानवीय इच्छा या प्रयास पर निर्भर नहीं करता, बल्कि परमेश्वर पर निर्भर करता है जो दया दिखाता है।

रोमियों 9:16. परमेश्वर अपनी महिमा के धन को प्रकट करने की योजना बनाता है, उद्धरण, दया की वस्तुओं पर जिन्हें उसने महिमा के लिए पहले से तैयार किया था, उद्धरण बंद करें। यहूदी और गैर-यहूदी विश्वासी। रोमियों 9:23-24. पौलुस इफिसियों 2:4-5 में दया, प्रेम और अनुग्रह को जोड़ता है। उद्धरण, लेकिन परमेश्वर, जो हमारे लिए अपने महान प्रेम के कारण दया में समृद्ध है, ने हमें मसीह के साथ जीवित कर दिया, भले ही हम अपराधों में मरे हुए थे।

आप अनुग्रह से बचाए गए हैं। दया, प्रेम, अनुग्रह। समान? नहीं।

सहसंबंधी? हाँ। वे एक दूसरे से अविभाज्य रूप से संबंधित हैं, और उनका प्रभाव जोर देने के लिए शब्दों को ढेर करने के समान ही है, क्योंकि उनका अर्थ की अलग-अलग बारीकियाँ हैं। ईश्वर की दया बचाने के लिए मानवीय प्रयास को बाहर करती है।

तीतुस 3:5 को उद्धृत करते हुए, परमेश्वर ने हमें बचाया, हमारे द्वारा किए गए धार्मिकता के कामों के द्वारा नहीं, बल्कि पवित्र आत्मा द्वारा पुनर्जन्म के स्नान के माध्यम से उसकी दया के अनुसार। तीतुस 3.5. परमेश्वर की दया प्रशंसा को जन्म देती है। 1 पतरस 1:3-4. हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता धन्य हैं।

अपनी महान दया के अनुसार, उसने हमें यीशु मसीह के मृतकों में से जी उठने के द्वारा जीवित आशा के लिए फिर से जन्म दिया है, एक अविनाशी, निष्कलंक और अजर मीरास के लिए जो तुम्हारे लिए स्वर्ग में रखी गई है, जो परमेश्वर की सामर्थ्य से विश्वास के द्वारा उस उद्धार के लिए सुरक्षित रखी जाती है जो अंतिम समय में प्रकट होने वाली है। क्योंकि हमें परमेश्वर की दया मिली है, और क्योंकि हमें हमेशा दया की आवश्यकता होती है, इसलिए हम इसे दूसरों को स्वतंत्र रूप से और उदारता से देते हैं। मत्ती 6:9-13। मत्ती 18:21-35। महान दृष्टांत जिसमें उस व्यक्ति को दिखाया गया है जिसे परमेश्वर ने बहुत बड़ी मात्रा में क्षमा किया था, वह बाहर जाकर अपने साथी इस्राएली को परेशान करता है जो उसका थोड़ा सा ऋणी था।

प्रभु प्रसन्न नहीं थे। नहीं, मसीही क्षमा और दया में विशेषज्ञ हैं, दया दिखाते हैं क्योंकि उन्हें क्षमा किया गया है, और उनके प्रति परमेश्वर दयालु रहा है। इफिसियों 4:32। प्लेटिनम नियम एक दूसरे को क्षमा करना है जैसे मसीह में परमेश्वर ने आपको क्षमा किया है।

वास्तव में, यीशु ने जोर देकर कहा कि उसके लोग दया से चिह्नित हैं। धन्य हैं वे जो दयालु हैं, क्योंकि उन्हें दया मिलेगी। मैथ्यू 5:7। हमारे अगले व्याख्यान में, हम ईश्वर के धैर्य या लंबे समय तक, ओह, ईश्वर की भलाई, क्षमा करें, या उदारता पर निष्कर्ष निकालने की उम्मीद करेंगे।

उसका धैर्य या सहनशीलता और यह तथ्य कि परमेश्वर महिमामय है, जिससे परमेश्वर के संचार योग्य गुणों के बारे में हमारा अध्ययन पूरा हो जाता है, जिसके बाद हम परमेश्वर के कार्यों के बारे में बात करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा धर्मशास्त्र या ईश्वर पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 16, संचारी गुण, भाग 3 है। ईश्वर दयालु और कृपालु है।

